ममता कालिया

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» ममता कालिया: जीवन-परिचय और शिक्षा

प्रश्न 1 (आसान). ममता कालिया जी का जन्म किस राज्य में हुआ था?
उत्तर – उत्तर प्रदेश

प्रश्न 2 (आसान). उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से किस विषय में एम.ए. किया था?
उत्तर – अंग्रेजी

प्रश्न 3 (मध्यम). एम.ए. करने के बाद ममता कालिया जी ने सबसे पहले कहाँ अध्यापन कार्य किया?
उत्तर – दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रश्न 4 (कठिन). उन्होंने मुंबई में किस विश्वविद्यालय में अध्यापन कार्य किया और उसके बाद किस कॉलेज में प्रधानाचार्य रहीं?
उत्तर – उन्होंने एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय, मुंबई में अध्यापन कार्य किया और फिर महिला सेवा सदन डिग्री कॉलेज, इलाहाबाद में प्रधानाचार्य रहीं।

» ममता कालिया: साहित्यिक कृतियाँ और पुरस्कार

प्रश्न 5 (आसान). ममता कालिया के किन्हीं दो कहानी-संग्रहों के नाम बताइए।
उत्तर – पच्चीस साल की लड़की, थियेटर रोड के कौवे।

प्रश्न 6 (आसान). ममता कालिया को 'साहित्य भूषण' पुरस्कार किस संस्थान से मिला था?
उत्तर – उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान से।

प्रश्न 7 (मध्यम). ममता कालिया के उपन्यास 'एक पत्नी के नोट्स' और कहानी-संग्रह 'संपूर्ण कहानियाँ' में क्या अंतर है?
उत्तर – एक पत्नी के नोट्स एक लंबा उपन्यास है, जबकि संपूर्ण कहानियाँ उनके कई छोटे-छोटे कहानी-संग्रहों का संकलन है।

प्रश्न 8 (कठिन). ममता कालिया को मिले किन्हीं दो पुरस्कारों के नाम और वर्ष बताइए, यदि संभव हो।
उत्तर – साहित्य भूषण (2004) और कहानी सम्मान (1989)।

» ममता कालिया की भाषा-शैली की विशेषताएँ

प्रश्न 9 (आसान). ममता कालिया की भाषा में किन शब्दों का प्रयोग जादुई प्रभाव डालता है?
उत्तर – साधारण शब्दों का।

प्रश्न 10 (आसान). लेखिका की कौन सी विशेषता उनके भावों को आसानी से व्यक्त करती है?
उत्तर – सहज भावाभिव्यक्ति।

प्रश्न 11 (मध्यम). ममता कालिया के व्यंग्य की दो प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं?
उत्तर – उनके व्यंग्य सटीक और सजीव होते थे।

प्रश्न 12 (कठिन). ममता कालिया की भाषा-शैली पाठक को कैसे मर्मस्पर्शी लगती है?
उत्तर – उनकी अभिव्यक्ति की सरलता और सुबोधता उसे मर्मस्पर्शी बना देती है, जिससे पाठक आसानी से जुड़ पाता है।

» 'दूसरा देवदास' कहानी का केंद्रीय भाव

प्रश्न 13 (आसान). 'दूसरा देवदास' कहानी किस परिवेश पर आधारित है?
उत्तर – यह कहानी हरिद्वार के 'हर की पौड़ी' के परिवेश पर आधारित है।

प्रश्न 14 (आसान). कहानी में प्रेम की उत्पत्ति कैसी बताई गई है, आकस्मिक या नियोजित?
उत्तर – कहानी में प्रेम की उत्पत्ति आकस्मिक बताई गई है।

प्रश्न 15 (मध्यम). लेखिका ने प्रेम को बंबईया फिल्मों की परिपाटी से अलग कैसे दिखाया है?
उत्तर – लेखिका ने प्रेम को बंबईया फिल्मों के शोरगुल और दिखावे से अलग, उसे एक पवित्र और स्थायी स्वरूप देकर प्रस्तुत किया है।

प्रश्न 16 (कठिन). 'दूसरा देवदास' कहानी युवा मन की किन संवेदनाओं को दर्शाती है?
उत्तर – 'दूसरा देवदास' कहानी युवा मन में पहली मुलाकात की हलचल, कल्पना और रूमानियत, तथा अनजाने में पनपे प्रेम की आकस्मिक उत्पत्ति को दर्शाती है, जो किसी व्यक्ति, समय या स्थिति पर निर्भर नहीं करता।

» हर की पौड़ी पर गंगा आरती का वर्णन

प्रश्न 17 (आसान). गंगा आरती से पहले भक्तगण क्या करते हैं?
उत्तर – गंगा आरती से पहले भक्तगण गंगा में स्नान करते हैं और पंडित उनके माथे पर चंदन व सिंदूर लगाते हैं।

प्रश्न 18 (आसान). आरती के समय कौन-कौन सी मूर्तियों का ज़िक्र है?
उत्तर – गंगा की मूर्ति के साथ-साथ चामुंडा, बालकृष्ण, राधाकृष्ण, हनुमान, सीताराम की मूर्तियों का ज़िक्र है।

प्रश्न 19 (मध्यम). गंगापुत्रों का वर्णन किस घटना के साथ किया गया है, और इससे क्या पता चलता है?
उत्तर – गंगापुत्रों का वर्णन दोने में से चढ़ावे का पैसा निकालने की घटना के साथ किया गया है। इससे यह पता चलता है कि गंगा के आसपास कुछ लोग ऐसे भी हैं जो अपनी आजीविका इसी तरह चलाते हैं, और वे अपने काम में बहुत तेज़ और चतुर होते हैं।

प्रश्न 20 (कठिन). लेखक ने 'गोधूलि बेला' शब्द का प्रयोग क्यों किया है, और इससे दृश्य पर क्या प्रभाव पड़ता है?
उत्तर – लेखक ने 'गोधूलि बेला' शब्द का प्रयोग इसलिए किया है क्योंकि यह शाम का वह समय होता है जब सूर्य डूब रहा होता है और हल्का अंधेरा छाने लगता है, पर पूरा अंधेरा नहीं होता। यह शब्द आरती के माहौल में एक जादुई और रहस्यमय सुंदरता जोड़ता है, जिससे पूरा दृश्य और भी दिव्य और शांतिपूर्ण लगता है, ठीक वैसे ही जैसे गायों के घर लौटने का समय होता है। यह एक संक्रमण काल है, दिन और रात के बीच का, जो आध्यात्मिक अनुष्ठान के लिए बिल्कुल सही पृष्ठभूमि बनाता है।

» गंगापुत्रों का जीवन और गंगा से उनका संबंध

प्रश्न 21 (आसान). गंगापुत्रों का मुख्य काम क्या होता है?
उत्तर – गंगा से रेशगारी बटोरना।

प्रश्न 22 (आसान). रेशगारी बेचने का काम कौन करता है?
उत्तर – उनकी बीवी और बहन।

प्रश्न 23 (मध्यम). लेखिका ने गंगापुत्र के लिए गंगा को 'जीविका और जीवन' क्यों कहा है?
उत्तर – क्योंकि गंगापुत्र का सारा रोज़गार और पूरी ज़िंदगी गंगा पर ही निर्भर करती है; गंगा के बिना उनके पास कोई और आय का साधन नहीं है।

प्रश्न 24 (कठिन). गंगापुत्रों के जीवन से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?
उत्तर – गंगापुत्रों के जीवन से हमें प्रकृति के प्रति श्रद्धा, धैर्य और अपनी मेहनत पर भरोसा रखने की प्रेरणा मिलती है। वे कम साधनों में भी संतुष्ट रहकर अपना जीवन जीते हैं और अपनी जीविका के स्रोत के प्रति अटूट निष्ठा रखते हैं।

» संभव और पारो की पहली आकस्मिक मुलाकात

प्रश्न 25 (आसान). संभव और पारो की पहली मुलाकात कहाँ हुई?
उत्तर – हरिद्वार में, एक पुजारी के पास।

प्रश्न 26 (आसान). पुजारी ने संभव और पारो को क्या आशीर्वाद दिया?
उत्तर – 'सुखी रहो, फूलो-फलो, जब भी आओ साथ ही आना, गंगा मैया मनोरथ पूरे करें।'

प्रश्न 27 (मध्यम). पुजारी के आशीर्वाद के बाद संभव और पारो की तत्काल क्या प्रतिक्रिया थी?
उत्तर – दोनों 'अकबका गए' – पारो झिटक कर दूर हो गई और संभव को जल्दी से वहाँ से जाने की इच्छा हुई।

प्रश्न 28 (कठिन). संभव और पारो की पहली मुलाकात को 'आकस्मिक' क्यों कहा गया है? कहानी के आधार पर समझाइए।
उत्तर – यह मुलाकात इसलिए आकस्मिक थी क्योंकि दोनों में से कोई भी एक-दूसरे को जानता नहीं था और न ही इस तरह की किसी मुलाकात की उम्मीद कर रहा था। पुजारी के गलतफहमी भरे आशीर्वाद ने इस स्थिति को और अप्रत्याशित और अजीब बना दिया, जिससे दोनों घबरा गए और असहज महसूस करने लगे।

» संभव के मन में प्रेम का अंकुरण और बेचैनी

प्रश्न 29 (आसान). मुलाकात के बाद संभव को सबसे ज्यादा क्या याद आ रहा था?
उत्तर – उस लड़की का चेहरा और उसकी छवि।

प्रश्न 30 (आसान). संभव ने पहले लड़कियों को किस रूप में देखा था?
उत्तर – क्लास में बेंच पर बैठने वाली या रिश्तेदारों की लड़कियों के रूप में।

प्रश्न 31 (मध्यम). संभव ने लड़की से दोबारा मिलने के लिए क्या योजना बनाई?
उत्तर – उसने अगले दिन शाम 5 बजे से ही उसी घाट पर, उसी पुजारी के देवालय के सामने वाली पौड़ी पर बैठने का फैसला किया।

प्रश्न 32 (कठिन). संभव के मन में 'सुख और ज़्यादा बेचैनी' क्यों महसूस हो रही थी?
उत्तर – उसे यह अनुभव नया और अनूठा लग रहा था, जिससे उसे एक तरह का सुख मिल रहा था, लेकिन लड़की के बारे में अधिक जानने की इच्छा और दोबारा मिलने की उत्कंठा के कारण उसे बेचैनी भी हो रही थी।

» हरिद्वार में वैशाखी की भीड़ और धार्मिक आस्था

प्रश्न 33 (आसान). वैशाखी के दिन हरिद्वार में गंगा घाट पर किस तरह की भीड़ दिखाई दे रही थी?
उत्तर – गंगा के घाट से भी चौड़ा 'मानव-रेला' दिखाई दे रहा था।

प्रश्न 34 (आसान). इस भीड़ में लोगों का मुख्य उद्देश्य क्या था?
उत्तर – जीवन के प्रति 'कल्याण की कामना' उनका मुख्य उद्देश्य था।

प्रश्न 35 (मध्यम). लेखक ने इस भीड़ को शहर की आम भीड़ से अलग क्यों बताया है?
उत्तर – लेखक ने इसे अलग इसलिए बताया क्योंकि इस भीड़ में एकसूत्राता थी, जाति या भाषा का महत्व नहीं था, और न ही कोई दौड़-धूप या अतिक्रमण था। सबका एक समान उद्देश्य 'कल्याण की कामना' थी।

प्रश्न 36 (कठिन). पाठ के अनुसार, स्नानार्थी केवल आनंद के लिए डुबकी क्यों नहीं लगा रहे थे, बल्कि क्या कर रहे थे? यह उनकी आस्था को कैसे दर्शाता है?
उत्तर – स्नानार्थी केवल आनंद के लिए डुबकी नहीं लगा रहे थे, बल्कि वे स्नान से ज़्यादा समय ध्यान में बिता रहे थे। यह दर्शाता है कि उनका आना केवल एक पर्यटक की तरह नहीं था, बल्कि गहरी धार्मिक आस्था और आत्मिक शांति की तलाश में था, जहाँ वे भगवान से जुड़ना चाहते थे।

» मंसा देवी यात्रा और संभव की कल्पनाएँ

प्रश्न 37 (आसान). मंसा देवी की यात्रा के लिए संभव ने कौन से यातायात के साधन का प्रयोग किया?
उत्तर – रोपवे

प्रश्न 38 (आसान). रोपवे की टिकट खिड़की पर क्या बेचा जा रहा था?
उत्तर – चुनरी और प्रसाद की थैलियाँ

प्रश्न 39 (मध्यम). संभव ने पहले कभी किस श्रृंगार प्रसाधन पर ध्यान नहीं दिया था, लेकिन अब वह उसे आकर्षक क्यों लगा?
उत्तर – संभव ने पहले कभी बिंदी जैसे श्रृंगार प्रसाधन पर ध्यान नहीं दिया था, लेकिन मंसा देवी यात्रा के दौरान उसे वे अचानक आकर्षक लगे क्योंकि वह मन ही मन उस अनजान लड़की के माथे पर एक बिंदी सजाने की कल्पना कर रहा था।

प्रश्न 40 (कठिन). मंसा देवी की यात्रा के दौरान संभव को किन दो रंगों से विशेष जुड़ाव महसूस हुआ और क्यों?
उत्तर – संभव को मंसा देवी यात्रा के दौरान गुलाबी और पीली रंग की केबल कारों से विशेष जुड़ाव महसूस हुआ। गुलाबी केबल कार में वह खुद बैठा था और उसे कल से गुलाबी के सिवा और कोई रंग सुहा ही नहीं रहा था। वापसी में उसने उसी पीली केबल कार में बच्चे के साथ अपनी अनजान लड़की को देखा, जिससे यह रंग भी उसके लिए महत्वपूर्ण बन गया।

» संभव और पारो का पुनर्मिलन और 'देवदास' संदर्भ

प्रश्न 41 (आसान). संभव और पारो का पुनर्मिलन कहाँ होता है?
उत्तर – मंसा देवी से लौटते समय, रास्ते में।

प्रश्न 42 (आसान). पारो का नाम संभव को कैसे पता चलता है?
उत्तर – मन्नू नाम के बच्चे के 'पारो बुआ' कहने से।

प्रश्न 43 (मध्यम). संभव, पारो का नाम जानने के बाद खुद को क्या कहता है?
उत्तर – संभव 'संभव देवदास' कहकर खुद को 'देवदास' बताता है।

प्रश्न 44 (कठिन). 'दूसरा देवदास' शीर्षक की सार्थकता में इस पुनर्मिलन का क्या योगदान है?
उत्तर – यह पुनर्मिलन संभव और पारो के बीच प्रेम की शुरुआत को दर्शाता है, जो पुरानी 'देवदास' कहानी के समान है, जिससे शीर्षक सार्थक होता है।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. ममता कालिया जी ने अपनी एम.ए. की पढ़ाई कहाँ से और किस विषय में की थी?

› हमें यह देखना होगा कि उनके 'शिक्षा' वाले भाग में एम.ए. की जानकारी कहाँ दी गई है।
› जानकारी के अनुसार, उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से एम.ए. किया।
› विषय के लिए बताया गया है कि उन्होंने अंग्रेजी विषय से एम.ए. किया था।

उत्तर – ममता कालिया जी ने दिल्ली विश्वविद्यालय से अंग्रेजी विषय में एम.ए. किया था।

उदाहरण 2. ममता कालिया के किन्हीं दो उपन्यासों के नाम लिखिए और उन्हें मिले कोई दो प्रमुख पुरस्कार बताइए।

› पहला, हम ममता कालिया के उपन्यासों की सूची देखेंगे। हमें याद है कि 'बेघर' और 'नरक दर नरक' उनके उपन्यास हैं।

› फिर, उनके पुरस्कारों पर ध्यान देंगे। हमें याद है कि उन्हें 'उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान' से 'साहित्य भूषण' और 'कहानी सम्मान' मिला था। 'अभिनव भारती, कलकत्ता' से 'रचना पुरस्कार' भी मिला है।

› तो हम कोई भी दो पुरस्कार चुन सकते हैं।

उत्तर – ममता कालिया के दो उपन्यास हैं: बेघर और नरक दर नरक। उन्हें मिले दो प्रमुख पुरस्कार हैं: साहित्य भूषण (2004) और कहानी सम्मान (1989)।

उदाहरण 3. ममता कालिया की भाषा-शैली की दो प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

› सबसे पहले, हमें सोचना होगा कि भाषा-शैली का मतलब क्या है। इसका मतलब है, लेखक किस तरह के शब्द इस्तेमाल करते हैं, उनके वाक्य कैसे होते हैं, और वे अपने विचारों को कैसे व्यक्त करते हैं।

› अब ममता कालिया जी के बारे में सोचो। उनकी सबसे बड़ी विशेषता थी शब्दों का जादुई प्रयोग। वे साधारण से साधारण शब्दों को भी इस तरह इस्तेमाल करती थीं कि उनका अर्थ गहरा हो जाता था।

› दूसरी विशेषता थी उनकी सहज भावाभिव्यक्ति। मतलब, वे अपने मन के भावों को, चाहे वो कितने भी जटिल क्यों न हों, बहुत ही आसानी से और स्वाभाविक तरीके से लिख देती थीं, जैसे कोई बातचीत कर रहा हो।

उत्तर – ममता कालिया की भाषा-शैली की दो प्रमुख विशेषताएँ हैं: पहला, शब्दों का जादुई प्रयोग, जिसमें वे साधारण शब्दों से भी गहरा प्रभाव उत्पन्न कर देती थीं। दूसरा, सहज भावाभिव्यक्ति, जिसके कारण उनके विचार और भाव बहुत ही स्वाभाविक ढंग से पाठक तक पहुँचते थे।

उदाहरण 4. अगर आपसे पूछा जाए कि 'दूसरा देवदास' कहानी का मुख्य संदेश क्या है?

› पहला कदम: कहानी के पात्रों (संभव और पारो) और उनके बीच की पहली मुलाकात को याद करो। सोचो, वे कहां मिले थे? हरिद्वार में, बिल्कुल सही।

› दूसरा कदम: उनके मिलने के तरीके पर ध्यान दो – क्या यह प्लान किया हुआ था, या अचानक हुआ था? यह आकस्मिक था, यानी अचानक हुआ।

› तीसरा कदम: उनके मन में क्या भावनाएं आईं? हलचल, जिज्ञासा, एक खिंचाव।

› चौथा कदम: इस सबसे लेखिका क्या बताना चाहती हैं? कि प्रेम कहीं भी, कभी भी, किसी भी परिस्थिति में पैदा हो सकता है और वह बहुत पवित्र हो सकता है।

उत्तर – 'दूसरा देवदास' कहानी का मुख्य संदेश यह है कि युवा मन में प्रेम की भावनाएं अचानक और बिना किसी पूर्व योजना के भी जन्म ले सकती हैं। प्रेम के लिए कोई निश्चित व्यक्ति, समय या स्थान ज़रूरी नहीं है; यह पवित्र और स्थायी स्वरूप में कहीं भी पनप सकता है।

उदाहरण 5. लेखक ने गंगा आरती के समय फूलों के दोने की कीमत बढ़ने का ज़िक्र क्यों किया है?

› पहला कदम, देखो, लेखक ने बताया है कि 'पांच बजे जो पूफलों वेफ दोने एक-एक रुपए वेफ बिक रहे थे, इस वक्त दो-दो वेफ हो गए हैं।'

› दूसरा कदम, फिर लेखक आगे लिखती हैं, 'भक्तों को इससे कोई शिकायत नहीं। इतनी बड़ी-बड़ी मनोकामना लेकर आए हुए हैं। एक-दो रुपए का मुँह थोड़े ही देखना है।'

› तीसरा कदम, इन दोनों बातों को जोड़कर सोचो। क्या भक्त इसलिए शिकायत नहीं कर रहे क्योंकि उनकी जेब में ज़्यादा पैसे हैं?

› नहीं, बल्कि वो ये दिखा रहे हैं कि लोगों की श्रद्धा और आस्था इतनी गहरी है कि उन्हें एक-दो रुपये के फर्क से कोई मतलब नहीं। उनकी मनोकामनाएँ उन कुछ रुपयों से बहुत बड़ी हैं। यह दर्शाता है कि भक्ति भाव पैसों से ऊपर है।

उत्तर – लेखक ने दोने की कीमत बढ़ने का ज़िक्र इसलिए किया है ताकि वो भक्तों की गहरी श्रद्धा और आस्था को दिखा सकें। भक्त इतने भावुक होते हैं कि उन्हें छोटी-मोटी चीज़ों की कीमत से कोई फर्क नहीं पड़ता, उनकी नज़र सिर्फ अपनी मनोकामना और गंगा मैया की कृपा पर होती है।

उदाहरण 6. गंगापुत्रों के जीवन में गंगा का क्या महत्व है, पाठ के आधार पर स्पष्ट करें।

› पाठ में बताया गया है कि गंगा मैया ही गंगापुत्र की 'जीविका और जीवन' है।

› गंगापुत्र (जैसे संभव) गंगा से 'रेशगारी' बटोरते हैं। 'रेशगारी' मतलब जो सिक्के या चढ़ावे पानी में गिर जाते हैं, उन्हें इकट्ठा करना।

› उसकी बीवी और बहन इन रेशगारी को कुशाघाट पर बेचकर पैसे कमाती हैं (एक रुपए के पचासी पैसे)।

› यह दर्शाता है कि उनका रोज़गार, उनका खाना-पीना, और उनकी सारी कमाई सीधे गंगा से जुड़ी हुई है। गंगा उनके लिए सिर्फ़ एक नदी नहीं, बल्कि उनकी ज़िंदगी का आधार है।

उत्तर – गंगापुत्रों के लिए गंगा मैया केवल एक पवित्र नदी नहीं, बल्कि उनकी जीविका और जीवन का मूल आधार है। वे गंगा से ही 'रेशगारी' बटोरकर बेचते हैं, जिससे उनके परिवार का पालन-पोषण होता है। इस प्रकार, गंगा से उनका संबंध सिर्फ़ धार्मिक नहीं, बल्कि पूरी तरह आर्थिक और भावनात्मक भी है।

उदाहरण 7. संभव और पारो की पहली मुलाकात के बाद उनके मन में क्या प्रतिक्रियाएँ आईं, उनका वर्णन कीजिए।

› मुलाकात हरिद्वार में हुई, जहाँ वे एक पुजारी के पास खड़े थे।

› पुजारी ने गलती से उन्हें जोड़ा समझकर 'सुखी रहो, साथ ही आना' का आशीर्वाद दिया।

› इस आशीर्वाद से दोनों 'अकबका गए' – यानी घबरा गए और अजीब महसूस करने लगे।

› पारो झिटक कर दूर खड़ी हो गई, और संभव को जल्दी से वहाँ से जाने की इच्छा हुई।

› चप्पलें लेते समय फिर नज़रें मिलीं, लेकिन दोनों बात करने की स्थिति में नहीं थे।

› पारो हड़बड़ाहट में चप्पल भी ठीक से नहीं पहन पाई और संभव उसे ढूंढता रहा।

› संभव रात भर पारो के बारे में सोचता रहा, जिससे पता चलता है कि यह मुलाकात उसके मन में घर कर गई थी।

उत्तर – संभव और पारो दोनों पुजारी के आशीर्वाद से असहज हो गए। पारो दूर हट गई और ठीक से चप्पल भी न पहन पाई, जबकि संभव को वहाँ से तुरंत जाने की जल्दी हुई। बाद में संभव रात भर उसके बारे में सोचता रहा, जो इस मुलाकात के गहरे प्रभाव को दर्शाता है।

उदाहरण 8. संभव के मन में उस अनजान लड़की के प्रति बेचैनी और आकर्षण के मुख्य कारण क्या थे?

› पहला कारण: लड़की का 'सद्य-स्नात दशा' में, यानी अभी-अभी गंगा में नहाकर सामने आना, जो संभव के लिए बिल्कुल नया अनुभव था।

› दूसरा कारण: पुजारी का गलती से उन्हें पति-पत्नी समझकर आशीर्वाद देना, जिससे स्थिति और भी अजीब और यादगार बन गई।

› तीसरा कारण: लड़की का घबराकर दूर चले जाना, जिसने संभव के मन में उसके बारे में और जानने की उत्सुकता बढ़ा दी।

› चौथा कारण: संभव के जीवन में पहली बार किसी लड़की का इस तरह से प्रभाव डालना, जिससे उसे एक 'नयी निराली अनुभूति' हुई।

उत्तर – संभव के मन में आकर्षण और बेचैनी के मुख्य कारण लड़की का अनोखे ढंग से सामने आना, पुजारी की गलती से मिला आशीर्वाद, लड़की की घबराहट और संभव के जीवन में इस तरह के अनुभव का पहली बार होना थे।

उदाहरण 9. पाठ में वैशाखी के दिन हरिद्वार की भीड़ की क्या विशेषताएँ बताई गई हैं?

› सबसे पहले, भीड़ की मात्रा पर ध्यान दें: 'गंगा के घाट से भी चौड़ा मानव-रेला'

› फिर, भीड़ के व्यवहार को देखें: 'दौड़ नहीं थी, अतिक्रमण नहीं'

› इसके बाद, भीड़ के उद्देश्य को पहचानें: 'महत्व उद्देश्य का था और वह सबका समान था, जीवन के प्रति कल्याण की कामना'

› अंत में, धार्मिक पहलू पर गौर करें: 'कोई भी स्नानार्थी किसी सैलानी आनंद में डुबकी नहीं लगा रहा था। बल्कि स्नान से ज़्यादा समय ध्यान ले रहा था।'

उत्तर – हरिद्वार में वैशाखी की भीड़ की प्रमुख विशेषताएँ हैं: अत्यधिक संख्या ('मानव-रेला'), एकसूत्राता (एक ही उद्देश्य - कल्याण की कामना), शांतिपूर्ण व्यवहार (कोई दौड़-धूप या अतिक्रमण नहीं), और गहरी धार्मिक आस्था (सिर्फ स्नान नहीं, बल्कि ध्यान और प्रार्थना)।

उदाहरण 10. संभव मंसा देवी की यात्रा पर क्यों गया और इस दौरान उसके मन में अज्ञातयौवना (अनजान लड़की) के प्रति क्या कल्पनाएं जागृत हुईं?

› संभव अज्ञात लड़की से मिलने की तीव्र इच्छा के कारण हर की पौड़ी की बजाय मंसा देवी यात्रा पर गया, शहर के भूगोल को भी समझने की इच्छा थी।

› रोपवे पर जाते हुए उसने बिंदियों और श्रृंगार प्रसाधनों को देखा, जो पहले उसे कभी आकर्षित नहीं करते थे।

› उसने मन ही मन एक बिंदी उस अनजान लड़की के माथे पर सजा दी, जैसे गाने याद आ रहे थे 'माँग में तारे भर देने'।

› यह दिखाता है कि उसके अंदर उस लड़की के प्रति गहरी भावनाएं और कल्पनाएं विकसित हो चुकी थीं।

उत्तर – संभव अनजान लड़की से दोबारा मिलने की इच्छा और शहर के भूगोल को जानने के लिए मंसा देवी गया। यात्रा के दौरान, उसने बिंदियों और अन्य श्रृंगार की चीज़ों में रुचि ली, और मन ही मन उस अनजान लड़की को उन बिंदियों से सजाने की कल्पना की, जिससे उसके प्रति उसकी भावनाएं और गहरी हो गईं।

उदाहरण 11. संभव और पारो का पुनर्मिलन कहानी में कैसे होता है और इससे 'दूसरा देवदास' शीर्षक की सार्थकता कैसे स्पष्ट होती है?

› मंसा देवी से लौटते समय, संभव और पारो की मुलाकात होती है।
› पहले वे एक-दूसरे को नहीं पहचानते, बस आवाज़ से परिचित होते हैं।
› पारो के साथ आया बच्चा मन्नू, उसे 'पारो बुआ' कहकर पुकारता है, जिससे उसका नाम पता चलता है।
› संभव तुरंत 'संभव देवदास' कहकर वाक्य पूरा करता है, जो उसके मन में पारो के लिए बढ़ते प्रेम को दर्शाता है।
› उसे मनोकामना के लिए बांधे गए धागे और गांठ की याद आती है, जो उनके बीच के अदृश्य जुड़ाव का प्रतीक था।
› यह घटना उनके प्रेम संबंध की शुरुआत को दर्शाती है, ठीक उसी तरह जैसे देवदास और पारो की कहानी में था, इसीलिए शीर्षक 'दूसरा देवदास' सार्थक है।

उत्तर – संभव और पारो का पुनर्मिलन मंसा देवी से लौटते समय मन्नू द्वारा पारो का नाम बताए जाने पर होता है, जिससे संभव उसे 'देवदास' कहकर अपना प्रेम स्वीकार करता है। यह मिलन उनके बीच प्रेम की शुरुआत और 'देवदास' शीर्षक की सार्थकता को दर्शाता है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• उनके जन्म स्थान, एम.ए. के विषय और उनके प्रमुख अध्यापन व प्रशासनिक पदों को ठीक से याद रखना, यह प्रश्न अक्सर जीवनी वाले भाग से आता है।
• ममता कालिया की प्रमुख कृतियों (उपन्यास व कहानी-संग्रह) और उन्हें प्राप्त मुख्य पुरस्कारों के नाम याद रखना बहुत ज़रूरी है। अक्सर बोर्ड परीक्षा में सीधे-सीधे प्रश्न आते हैं कि उनकी किन्हीं दो कृतियों या पुरस्कारों के नाम बताओ।
• यह प्रश्न बोर्ड परीक्षा में अक्सर 3 से 5 अंकों में पूछा जाता है। जितनी ज़्यादा विशेषताएँ आप उदाहरण सहित बताएँगे, उतने अच्छे अंक मिलेंगे।
• इस वर्णन में लेखक द्वारा उपयोग की गई विशेषणों (adjectives) पर ध्यान दें, वे ही आपके उत्तरों को और प्रभावशाली बनाएंगी।
• यह प्रश्न अक्सर पूछा जाता है कि गंगापुत्रों के लिए गंगा का क्या महत्व है। इसे अपने शब्दों में, उदाहरण के साथ समझाना ज़रूरी है।
• बोर्ड परीक्षा में इस मुलाकात के बाद दोनों पात्रों की मानसिक स्थिति और व्यवहार पर आधारित प्रश्न अक्सर पूछे जाते हैं, ध्यान से समझना।
• इस भाग से 'संभव के चरित्र-चित्रण' या 'मनोवैज्ञानिक स्थिति' से जुड़े प्रश्न आ सकते हैं, इसलिए भावनाओं के विकास को ध्यान से समझें।
• यह भाग संभव के चरित्र विकास और उसकी आंतरिक भावनाओं को दर्शाता है। बोर्ड परीक्षा में यहाँ से संभव के मन की स्थिति और उसके बदलते विचारों पर प्रश्न आ सकते हैं।
• यह अंश बोर्ड परीक्षा में अक्सर 'दूसरा देवदास' शीर्षक की सार्थकता समझाने वाले प्रश्न के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

एक नज़र में रिवीज़न

› ममता कालिया: मथुरा जन्म, दिल्ली से अंग्रेजी एम.ए., कई शहरों में अध्यापन/प्रधानाचार्य।
› ममता कालिया: प्रमुख उपन्यास, कहानी-संग्रह, साहित्य भूषण व अन्य पुरस्कार।
› ममता कालिया की भाषा: जादुई शब्द, सहज भाव, सटीक व्यंग्य, सरल अभिव्यक्ति।
› हर की पौड़ी आरती: भव्य दृश्य, भक्ति, गोधूलि बेला, दीपों का मेला।
› गंगापुत्र: गंगा पर आश्रित जीवन, रेशगारी से जीविका, अटूट संबंध।
› हरिद्वार में संभव-पारो की आकस्मिक मुलाकात; पुजारी का आशीर्वाद, दोनों की घबराहट।

› संभव के मन में लड़की के प्रति आकर्षण, बेचैनी, और दोबारा मिलने की योजना।
› मंसा देवी यात्रा: रोपवे, बिंदियाँ, अनजान लड़की की कल्पनाएँ, फिर मिलन।
› संभव-पारो का पुनर्मिलन, 'देवदास' संदर्भ, शीर्षक की सार्थकता।